सुविचार

गलत तरीकों से सफल होने से कई गुना बेहतर है, सही तरीके अपनाकर असफ़ल हो जाना।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

संपादक :- नागेश नरवरिया

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 6, अंक-84 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 14 जनवरी 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

कविता

हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

षड्यंत्र है जातिवाद
जातिवाद बनाने का
षड्यंत्र है लड़ाने का
बडे बड़े बलशालियों को
युद्ध मे हराने का ?
जातिवाद बनाने का
षड्यंत्र है लड़ाने का।
क्या मजाल था कि
मुठ्ठी भर लोग
शासक बन जाते ?
क्या मजबूरी है कि
बहुसंख्यक समाज
याचक बन जाते ?
अचुक शस्त्र बनाया गया
जातिवाद की प्रथा
चलाया गया ।
असर कर गया उनका
अमोध अस्त्र।
दुर्बल लोग
सबल को धुल चटाने का
षड्यंत्र है लड़ाने का
जातिवाद बनाने का
हम पर वे अन्याय
कर रहे हैं ,
फिर भी हम उनके पैर
पड़ रहे हैं,
ऐसी प्रथा वे हम पर
मढ दिये
काल्पनिक चरित्रों के किस्से
गढ़ दिये
करवाया प्रारंभ हमसे
पत्थरो को पुजवाने का
षड्यंत्र है लड़ाने का
जातिवाद बनाने का
मानव मानव है एक समान
फिर कोई कैसे तुच्छ
फिर कोई कैसे उच्च ?
सबमे है जान
सबको है ज्ञान
इस कला का खोज हुआ
जातिवाद पर शोध हुआ
लोगो को कैसे रखते हैं
मुठ्ठी में ?
इस रहस्य का बोध हुआ
फिर सामंतों ने किया प्रारंभ
अपने आपको महराज
कहाने का
जातिवाद बनाने का
षड्यंत्र है लड़ाने का।

धर्म परिवर्तन कर हिंदू बने वसीम रिजवी गिरफ्तार

■ धर्म संसद में मुस्लिमों के खिलाफ हेट स्पीच देने का आरोप

एजेंसी/गाजियाबाद। हरिद्वार में 17 से 19 दिसंबर तक हुई धर्म संसद में नफरती बोल पर चौतरफा घिरे जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी उर्फ वसीम रिजवी को उत्तराखंड पुलिस ने गुरुवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया है। वसीम रिजवी के साथ उस वक्त जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर नरसिंहानंद गिरी भी मौजूद थे, लेकिन पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी नहीं दिखाई है। जबकि वे भी हेट स्पीच मामले में आरोपी हैं। 23 दिसंबर को हरिद्वार पुलिस ने जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी उर्फ वसीम रिजवी के खिलाफ नफरती भाषण देने का मुकदमा दर्ज किया था। बाद में इस मुकदमे में नरसिंहानंद गिरी, अन्नपूर्णा उर्फ पूजा शकुनि पांडे, सिंधु सागर, धर्मदास, परमानंद, आनंद स्वरूप समेत 10 लोगों के नाम बढ़ाए गए थे। हरिद्वार के एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार ने बताया कि जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी उर्फ वसीम रिजवी को गुरुवार देर शाम यूपी और उत्तराखंड के बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

कुरान से 26 आयत हटाने को दायर की थी याचिका

वसीम रिजवी मूल रूप से लखनऊ के निवासी हैं। साल-2000 में वह लखनऊ के मोहल्ला कश्मीरी वार्ड से सपा के नगरसेवक चुने गए। 2008 में शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के सदस्य और फिर बाद में चेयरमैन बने। वसीम रिजवी ने कुरान से 26 आयतों को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी जो खारिज हो गई।

महामंडलेश्वर की पुलिस से नोकझोंक

उधर, जब वसीम रिजवी की गिरफ्तारी हुई तो उनके साथ जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर नरसिंहानंद गिरि मौजूद थे। गिरफ्तारी को लेकर उनकी हरिद्वार पुलिस के साथ खूब नोकझोंक हुई। उन्होंने पुलिस से कहा- इन्हें क्यों गिरफ्तार कर रहे हो आप। इस पर पुलिस ने कहा कि लीगल प्रोटोकॉल के अनुसार हमें अरेस्टिंग करनी है। इन मुकदमों में वह मुख्य आरोपी हैं।

तीसरी लहर की भयावह रफ्तार

देश के 20 बड़े शहरों में संक्रमण दर 20% से ज्यादा; दिल्ली-मुंबई में अगले हफ्ते पीक आने का अनुमान

नई दिल्ली। देश में तीसरी लहर में जिस तेजी से रोज मिलने वाले केस बढ़ रहे हैं, उससे तेज रफ्तार बड़े शहरों में है। देश के करीब 20 बड़े शहर ऐसे हैं, जहां संक्रमण दर 20त्न से ज्यादा है। यानी इन जगह हर 100 टेस्ट में 20 लोग पॉजिटिव मिल रहे हैं। देश में प्रति लाख आबादी 19 मामले मिल रहे हैं, जबकि गुरुग्राम में प्रति लाख आबादी 179 केस मिल रहे हैं। कोलकाता में रोज प्रति लाख आबादी 157, बेंगलुरु अर्बन में 163 केस, दिल्ली में 139 केस, मुंबई में 132 केस मिल रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, जिस रफ्तार से केस बढ़ रहे हैं, उस हिसाब से दिल्ली-मुंबई में अगले हफ्ते केस पीक पर हो सकते हैं। इस बीच, कोरोना की स्थिति पर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्रियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले वैरिएंट की तुलना में ओमिक्रॉन अधिक संक्रामक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्थिति का आकलन कर रहे हैं। स्पष्ट है कि हमें सतर्क रहना है। हमने 10 दिन में 3 करोड़ किशारों को वैक्सीन लगाई है।

अंजान

मैं अनभिज्ञ राहगीर हूं,
ढूंढ रहा जन्नत का पता।
जिससे पूछूं ठिठक जाता,
बताने को जन्नत का पता।।
लाख कोशिश की,
कोई बताता नहीं ,जन्नत का पता
धरा के चक्कर काटे,
कोई शख्स नहीं बता पाया,
जन्नत का पता।।
बाल सफेद होने को चले,लेकिन,
कोई बताता नहीं पाया,
जन्नत का पता।।
वापस मुकाम लौटा,
वृद्ध माता-पिता से पूछा,
जन्नत का पता।।
सुन मुस्कुरा के माई- बाप बोले,
जिनके नजदीक खड़ा,
वहीं जन्नत का पता।

■ अंशु कवि
नारायण अहिरवार
होशंगाबाद

चुनाव 2022: स्वामी प्रसाद मौर्य आज सपा में होंगे शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनावी घमासान जारी है। खबर यह है कि भाजपा का दामन छोड़ने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य आज समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ उनके समर्थक विधायक भी सपा में शामिल होंगे। इससे पहले गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए मौर्य ने कहा कि उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की और अपने सहयोगियों से उनका परिचय कराया। मौर्य ने कहा, उनके सपा में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा शुक्रवार को की जाएगी। उन्होंने भाजपा को हराने की कसम खाई और 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले की तरह भाजपा को 45 सीटों तक सिमटने का दावा किया।

...तो भाजपा को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता

एएनआई से एक्सक्लूसिव बात करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, मैं 14 जनवरी को समाजवादी पार्टी में शामिल होऊंगा। मुझे किसी छोटे या बड़े राजनेता का फोन नहीं आया है। अगर वे समय पर सतर्क होते और सार्वजनिक मुद्दों पर काम करते, तो भाजपा को इस तरह के हालात का सामना नहीं करना पड़ता।

बिरसा मुंडा से लेकर संत रविदास जी मूर्ति, फोटो या कोई चित्र को जलाना या अपवित्र करना कितना गंभीर अपराध होता है जानिए/SC-ST act,....।

हमारा भारत देश धर्म-निरपेक्ष देश हैं यहाँ पर सभी नागरिक अपने-अपने धर्म का प्रचार-प्रसार कर सकते हैं एवं अपने-अपने धर्म को उनके तरीक़े से मान सकते हैं। वैसे तो भारत में रहने वाली ज्यादातर जाति हिन्दू होती है कानून की अगर बात करे तो ईसाई, इस्लाम, यहूदियों आदि को छोड़कर सभी धर्म हिन्दू धर्म होते हैं। लेकिन कुछ वर्गों के अपने-अपने वर्ग विशेष भगवान होते हैं इनकी सुरक्षा के लिए कानून द्वारा कुछ विशेष विधि का निर्माण किया गया है, अगर कोई अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पवित्र मानी जानी वाली वस्तु को नष्ट करता है तो यह बहुत गंभीर अपराध होगा जानिए।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति(अत्याचार निवारण) अधिनियम,1989 की धारा 3(1) (न) की परिभाषा-?
अगर कोई व्यक्ति जो अनुसूचित जाति एवं जनजाति का सदस्य नहीं है वह उन विशेष वर्गों की धार्मिक मानी जाने वाली मूर्ति या अति श्रद्धा से ज्ञात किसी वस्तु अर्थात फ़ोटो, रंगचित्र आदि को नष्ट करेगा या हानि पहुचाएगा, या ऐसी वस्तु को अपवित्र करेगा वह अधिनियम की उपर्युक्त धारा के अंतर्गत दण्डित होगा।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम,1989 की धारा 3(1) न के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान?- इस धारा के

अपराध संज्ञेय एवं अजमानतीय होते हैं। इनकी सुनवाई का अधिकार क्षेत्र जिला विशेष न्यायालय करता है। सजा - इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम पाँच वर्ष की सजा एवं जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

पीड़ित व्यक्ति को शासन द्वारा राहत सहायता राशि;- अनुसूचित जाति और जनजाति(अत्याचार निवारण) नियम,1995 नियम 12(4) के अनुसार इस अपराध के अंतर्गत पीड़ित व्यक्ति को राज्य शासन द्वारा एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता(संदाय) दी जाती है। यह राशि जिला कलेक्टर या स्ब्डरू या जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्यालय द्वारा स्वीकृत होती है।

- लेखक

बी.आर.अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद)
9827737665

क्या निर्धन (गरीब) व्यक्ति को नि :शुल्क न्यायालय में अपील करने का कोई कानूनी अधिकार है या नहीं जानिए/Legal General Knowledge

कहते हैं न्याय सबके लिए है, चाहे वह धनी व्यक्ति हो या निर्धन किसी को न्याय से वंचित नहीं किया जा सकता है एवं किसी निर्धन(गरीब) व्यक्ति को न्याय से इसलिए भी वंचित नहीं किया जा सकता कि उसके पास न्यायिक प्रक्रिया के संचालन के लिए आवश्यक धन नहीं है। यही समाजवादी समाज की रचना का मूल सिद्धांत है और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए संहिता में निर्धन व्यक्तियों के लिए विशेष

व्यवस्था की गई है जानिए।

सिविल प्रक्रिया संहिता,1908 का आदेश क्रमांक 44 की परिभाषा-? अगर कोई निर्धन व्यक्ति किसी अपील करने का हकदार हैं एवं वह न्यायालय की फीस नहीं दे सकता है वह व्यक्ति उन सभी बातों को आवेदन में लिख कर वह न्यायालय की फीस क्यों नहीं दे रहा है। न्यायालय द्वारा अपील करने की आज्ञा प्राप्त कर सकता है। अर्थात आदेश 44 निर्धन व्यक्ति को न्यायालय की फीस माफ करने के लिए बनाया गया है।

नोट- अगर कोई निर्धन व्यक्ति किसी डिक्री, आदेश, निर्णय आदि से संतुष्ट नहीं है तब वह अपील को अपीलीय न्यायालय में अगर उच्च न्यायालय है तब 60 दिन के भीतर एवं अन्य किसी न्यायालय में 30 दिनों के भीतर अपील की जा सकती है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीगढ़ उ. प्र.)

भारतीय नारी मुक्ति आंदोलन की एक गुमनाम नायिका फातिमा शेख

इतिहास का इतिहास हमें बताता है कि इतिहास लेखन बहुधा सत्ताधारी पक्ष का उल्लेख करता है। भारत के सन्दर्भ में ये इतिहास लेखन सवर्णों के इतिहास के तौर पर चिन्हित होता है। लेकिन युग बदलने के साथ ही इतिहास और इतिहास लेखन के प्रति दृष्टिकोण भी बदलने लगा है। चंद सामाजिक इतिहासकारों ने इतिहास के पन्नों में हाशिया के सामाज को लाने का भी सकारात्मक सचेतक प्रयास किया है।

शायद शोषित अस्मिता के सचेतक पन के कारण कुछ तथ्य सामने आने लगे हैं। सूद्रों, अति सूद्रो(स्ष्ट) एवं औरतों का इतिहास तो सिरे से नदारद रहा है। अगर बात करें इतिहास के मुस्लिम सामाजिक महिला किरदारों की तो उँगलियों पर गिन सकते हैं। लेकिन सामाजिक इतिहासकारों के चंद प्रयासों और अपने शैक्षिक सामाजिक कामों की बदौलत आज ज्योतिबाफुले और सावित्री देवी फुले को नज़रंदाज़ करना लगभग नामुमकिन है। पिछ्ले कुछ सालों से सावित्री देवी फुले का नाम काफ़ी प्रमुखता से लिया जा रहा है। लेकिन उनके संघर्ष के साथ बेहद अविभाज्य रूप से जुड़ा हुआ एक नाम है ङ्क फ़ातिमा शेख का। यह सच है कि इस दौर में अब फ़ातिमा शेख के नाम से लोग परिचित होने लगे हैं। लेकिन उनका इतिहास अभी भी इस सवर्ण इतिहास के अंधियारे में कहीं गुम सुम है। फ़ातिमा शेख का जन्म 09 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था हालाँकि इसका कोई निश्चित प्रमाण नहीं मिलता है। पुणे के मौखिक आख्यानों में फ़ातिमा शेख का जन्म 21 सितम्बर 1831 को भी मिलता है। लेकिन बहुत से

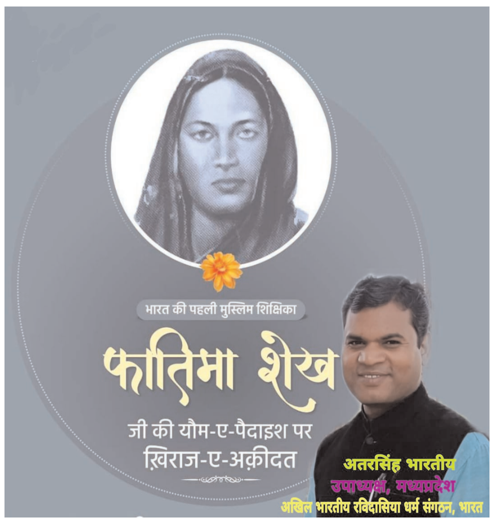

सामाजिक संगठन अब 09 जनवरी 1831 को ही फ़ातिमा शेख का जन्मदिन मानते हैं। ज्योतिबा फुले के व्यापक लेखन में भी फ़ातिमा शेख का उल्लेख नहीं मिलता है। केवल 1856 में सावित्री देवी फुले के ज्योतिबा को लिखे एक पत्र में फ़ातिमा शेख का ज़िक्र मिलता है। उस वक्त सावित्री बाई बहुत बीमार हो गई तो अपने मायके चली गयी थी। इसके बाद स्कूलों की देखरेख की पूरी ज़िम्मेदारी फ़ातिमा शेख के ऊपर आ गयी थी। उन्होंने घर - घर जाकर सूद्रो, अति सूद्रो (स्ष्ट) और मुस्लिम महिलाओं को स्वदेशी पुस्तकालय एवं विद्यालय में पढ़ने की पहल की। वह न केवल पहली मुस्लिम शिक्षिका थीं बल्कि पहली प्रधानाचार्य भी बनी। शिक्षण के साथ प्रशासनिक काम भी उन्होंने बहुत ही चतुराई से किया। बहुत कम लोग इस तथ्य से अवगत हैं कि आज से लगभग पौने दो शतक साल पहले जब ज्योतिबा फुले और सावित्री देवी फुले ने महाराष्ट्र में वास्तविक नवजागरण आन्दोलन सत्य सोधक समाज की स्थापना कर शुरुआत की थी। तब उनके साथ सबसे पहले खड़े हुए थे तीन मुसलमान साथी।

जिनमें एक थे ज्योतिबा फुले के पिता गोविन्दराव के मित्र मुंशी गफ़र बेग, उस्मान शेख और उनकी बहन फ़ातिमा शेख। ज्योतिबा फुले(1827-1890) और सावित्रीबाई फुले(1831-1897) ने जब शूद्र (OBC) और अतिशूद्र(स्ष्ट) समुदाय खासतौर पर लड़कियों की शिक्षा के काम को शुरू किया तो समूचा ब्राह्मण समाज उनके ऊपर जानबूझकर बेहद खिलाफ हो गया था। यहां तक कि ज्योतिबा राव के पिता मजबूर हो गए और अपने घर से बेटे ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्री देवी को बाहर निकालना पड़ा। जब फातिमा शेख और सावित्री देवी ने ज्योतिबा द्वारा स्थापित स्कूलों में जाना शुरू कर दिया, तो पुणे के लोग बहुत परेशान करते थे और उनकी निन्दा करते थे। लोग उनके ऊपर पत्थर फैंकते थे और कभी-कभी गाय का गोबर या कीचड़ भी फैंक दिया करते थे हालाकि उस समय महिलाओं को शिक्षण का कार्य अकल्पनीय था। यह कोई आश्चर्य नहीं था कि पूना की ऊँची जाति से लगभग सभी लोग फ़ातिमा शेख और सावित्री देवी फुले के खिलाफ थे बल्कि सामाजिक अपमान के कारण उन्हें रोकने की भी भरपूर कोशिश थी। यह फातिमा शेख थी जिन्होंने हर संभव तरीके से दृढ़ता से अनवरत समर्थन किया और सावित्री देवी के अथक प्रयासों का समर्थन जान की बाजी लगा कर किया। ऐसे कठिन दौर में फ़ातिमा शेख और उनके भाई उस्मान शेख ने फुले दंपत्ति को अपने घर में रहने के लिए पनाह दी। उन्होंने फुले दंपत्ति को न केवल रहने को घर, कपड़े, बरतन और खाने पीने में मदद की बल्कि उनके घर के प्रांगण में देश का पहला दलित स्कूल भी खोला। इस समय सभी महिला शिक्षक यूरोपीय थीं, ऐसे समय में जब लड़कियां, खासकर मुस्लिम लड़कियां अपने घरों से बाहर कदम भी नहीं रखती थीं। उस वक्त फातिमा शेख ने फुले के सहयोग से लड़कियों के लिए एक स्कूल शुरू किया और आगे बढ़ कर स्वयं लड़कियों को शिक्षित करने के लिए कई प्रयास किए। देश का पहला स्वदेशी पुस्तकालय उनके घर की छत के नीचे खुला। सावित्री देवी फुले के साथ मिलकर फातिमा शेख ने सूद्र (OBC), अति सूद्र (SC) मुस्लिम महिलाओं और बच्चों के उन समुदायों को पढ़ाया हैं , जिन्हें जाति, वर्ग, धर्म या लिंग के आधार पर शिक्षा से वंचित किया गया था। इसी की वजह से फातिमा शेख को आधुनिक युग में भारत की प्रथम महिला मुस्लिम शिक्षिका भी कहा जाता है। ऐसे समाज सुधारकों को दिल की गहराइयों से सिर झुका कर सलाम करते हैं।

गीतांजलि महिला स्व सहायता समूह अध्यक्ष ने किया गरम कपड़ों व मास्क का वितरण गूँज के लोगो ने भी दिया साथ

युवा प्रदेश नेटवर्क

अनूपपुर/डोला। गीतांजलि महिला स्व सहायता समूह के तत्वधान में समूह के अध्यक्ष - गुँजन यादव के द्वारा राजनगर से लगे ग्रामीण क्षेत्र छोटी भलमूड़ी में जाकर गरीब परिवार के लोगो को व उनके बच्चों को फल,मिठाई एवं कपड़े बांटे गए जिसमें जिसमें राजनगर के समाज सेवक व स्थानीय लोगों ने साथ दिया महिला स्व सहायता समूह के अध्यक्ष का कहना है कि हमारा समूह के द्वारा समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम करतें रहेंगे। साथ ही उन सभी लोग का धन्यवाद किया जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। जिसमें मुख्य रुप से कुछ लोग इस प्रकार है मंजीत कुमार (सह-सचिव)गूँज समाज कल्याण समिति,राजू श्रीवास्तव(समाज सेवी),मुकेश राजभर,विकास श्रीवास्तव,इमरान खान भागीरथी,इमरान खान,घनश्याम यादव,यशवंत सिंह,राम जी,बादल प्रजापति, धनंजय यादव, सावित्री पनिका,उषा,पूनम यादव, पुष्पा ठाकु हीराबाई,रीना पाल,इंद्रावती ।

हम दलित नहीं दबंग थे गद्दार धोखेबाज गुलाम दलालों ने उन्हें दबाया गुलामों की प्रथा जंजीर तोड़ कर रहेंगे!

अमर शहीद का संक्षेप में इतिहास

मध्य प्रदेश के एकमात्र महायुद्धा अनुसूचित जाति अहिरवार समाज के पराक्रमी निडर निर्भीक शूरवीर मनीराम अहिरवार ग्राम चीचली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर मध्य प्रदेश के निवासी थे। जिनका इतिहास वीरता और साहसी वीर सपूतों के तौर पर इतिहास में अमर हैं और रहेंगे। इस प्रेरणा से रविदास बंशीय अंश अमर उजाला की तरह सदा प्रज्वलित अखंड अमर ज्वाला जलती रहेगी। ईन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन मैं सन 1942 के आजादी आंदोलन में मध्य प्रदेश के कमजोर गरीब असहाय, शोषित, पीड़ित वंचित वर्ग के लोगों को स्वाभिमान एवं सम्मान की जिंदगी जीवन जीने के लिए महात्मा गांधी के आवाहन पर आंदोलन में सहभागिता निभाई। वीर मनीराम अहिरवार जी एक वीर सैनिक की भूमिका निभाते हुए वीरता का परिचय देते हुए अंग्रेजी सेना से वीरता पूर्वक लडे और अंतिम सांस तक युद्ध करते रहे। उन्होंने जब तक विदेशी सैनिकों को गांव से खदेड़ कर दम लिया। उनकी शौर्य के सम्बन्ध में मरने का कोई गम नहीं,नाशवान संसार। आया है वह जाएगा, यह जगत व्योहार। कहते है मनीराम जी कोई जान सका नही, थे वह अमर वीर सेनानी ।अंग्रेजी सेना को मार खदेड़ा, विदेशों को याद दिला दी नानी।। प्रकृति की गोद में जीवन का था पड़ाव अज्ञानी विधुर रखते थे मन में अस्पृश्यता का भाव मनीराम अहिरवार जी का चिंतन मंथन मनन पवित्र था विचार जीवन संघर्ष सफर स्वतंत्र आजादी कथा विचार। निकल पड़े हम चल पड़े,रुकने का नाम नहीं। बहुत जनों के खातिर , डरने का कोई काम नहीं। कर्तव्य अपना कर चले, अंतिम स्वांश तक लड़े। लोहे के चने चवादिए,पर दुश्मनों से नहीं डरे। गोंडवाना राज महल पर कब्जा करने आए अंग्रेजों के सिर लहु-लुहान कर गांव से भागने पर कर दिया था मजबूर बेगारी और गुलामी प्रथा का कड़ाई से विरोध करते हुए अंग्रेजी सेना की कोई बात नहीं मानी अमर शहीद वीर मनीराम जी अहिरवार को सरकार द्वारा राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिया जाए ऐसी मैं मध्य प्रदेश सरकार से अपेक्षा रखता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है अनुसूचित जाति जनजाति के प्रति सरकार की संवेदनाएं के प्रति सजग प्रहरी के रूप में स्वाभिमान सम्मान संवैधानिक समान न्याय को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिया जाए। हमारे देश में आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। गुमनाम शहीदों की जानकारी जुटाई जा रही है। लेकिन बहुत अफसोस की बात है कि हमारे महापुरुष सैनानी जो मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के अमर शहीद हुए है। उन्हें आज तक राष्ट्रीय शहीद होने का दर्जा क्यों नहीं? अब अमर शहीद वीर मनीराम जी के पौत्र मूलचन्द मेधोनिया प्रादेशिक आन्दोलन को चलाने के लिए मजबूर हो रहे हैं। मैं अनुसूचित जाति और विशेष कर अहिरवार समाज के गणमान्य नागरिकों से अपील करता हूँ कि अपने वीर सपूत मनीराम अहिरवार जी को शहीद दर्जा दिलाने के आवाज उठाई जाने में आगे आकर वीर मनीराम के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया के अहिरवार समाज के गौरव सम्मान में सहायता अवश्य प्रदान किया जाये। अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के अदम्य शौर्य और वीरोचित कुर्बानी देकर बेगारी व गुलामी प्रथा का डटकर मुकाबला किया ।उनके आन्दोलन और लडाई के फलस्वरूप अंग्रेजी हुकुमत ने गांव चौकीदार के पदों की शुरुआत की थी। हमारे हक अधिकारों को लड़ाई लड़ने वाले भीम सैनानी अमर बलिदानी मनीराम अहिरवार जी के चरणों में कोटी कोटी नमन एवं श्रध्दांजलि अर्पित है ।

उत्कृष्ट कार्य करने पर रामबाबू हुए सम्मानित

युवा प्रदेश नेटवर्क/भोपाल। तहसील बैरसिया लायंस क्लब कपल भोपाल के नेत्र शिविर कैंप का समापन कार्यक्रम आयोजित क्या गया रामबाबू जाटव समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि मयूरी परियानी जी विशेष अतिथि रविंद्र जैन जी गणमान्य नागरिक ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया सम्मानित होने पर रामबाबू ने कहा नि स्वार्थ भाव से की गई समाज सेवा पर जब हमे पुरस्कार मिलता है तो वह हमें आगे भी इसी तरह अत्यधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है जाटव को सम्मानित किए जाने पर रवीन्द्र जैन जी ओमप्रकाश गुप्ता जी सुरेंद्र ठाकुर मयूरी परिहानी मोकम सिंह गोलू आकाश यादव समस्त नगर वासियों ने बधाई दी नगर ग्रामीण क्षेत्र में बड़ चडकर भाग लेते है और नि स्वार्थ भाव से सेवा करते है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की का किया बलात्कार

कोरिया। जिले के जनकपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने और जबरन उसका दैहिक शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और पीड़िता को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पीडिता 4 जनवरी 2022 को 10 बजे घर से बिना बताये कहीं चली गई। उसके परिजनों के द्वारा आस-पास ग्राम तथा रिश्तेदारी में पता तलाश किया गया लेकिन नाबालिग पीड़िता का कहीं पता नही चलने पर प्रार्थी द्वारा 6 जनवरी 2022 को थाना जनकपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 03/2022 धारा 363 भादवि के तहत किसी अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया और वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई और उनके दिशा निर्देश तथा मार्गदर्शन में तत्काल नाबालिग पीडिता की पतासाजी एवं बरामद करने के लिये एक विशेष टीम बनाई गई। थाना प्रभारी जनकपुर निरीक्षक एस.पी. सिंह, सहायक उपनिरीक्षक बी.के.

राजवाडे, अजय बघेल, प्र.आर. बाल साय पोर्ते, आर. श्यामलाल मराबी के द्वारा नाबालिग पीड़िता को रायपुर से 11 जनवरी 2022 को बरामद किया गया। महिला प्र.आर. सुनिता एक्का थाना चिरमिरी द्वारा पीड़िता का कथन एवं शासकीय अस्पताल जनकपुर में मेडिकल जाँच कराया गया।

संसदीय सचिव विधायक रेखचन्द जैन ने हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी

(बस्तर ब्यूरो हेड हरेंद्र नाग)

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन मरकाम जी, आईटी सेल एवं सोशल मीडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रोहन गुप्ता जी,की भावनाओं के अनुरूप कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने हेतु छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल एवं सोशल मीडिया के अध्यक्ष श्री जयवर्धन बिस्सा जी,के द्वारा शहर जिला कांग्रेस कमेटी आई टी सेल के अध्यक्ष आदर्श नायक जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष फैजान खान को नियुक्त किये जाने पर संसदीय सचिव विधायक रेखचन्द जैन ने हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मोहम्मद फैजल नवी,माज़ लीला राहुल जैन उपस्थित रहे।

मानव कल्याण अधिकार एवं भ्रष्टाचार निर्मूलन संगठन की संभाग स्तरीय बैठक संपन्न

भ्रष्टाचार से संबंधित सभी विषयों पर की गई विस्तृत चर्चा

कोरिया। मानव कल्याण अधिकार एवं भ्रष्टाचार निर्मूलन संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा विभिन्न विषयों को लेकर संभागीय बैठक अंबिकापुर में रखी गई जिसमें मानव कल्याण अधिकार एवं भ्रष्टाचार निर्मूलन संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा कर उसके समाधान हेतु विस्तृत जानकारी प्रदान की गई पदाधिकारियों के द्वारा शासन द्वारा चलाई जा रही है योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होकर भ्रष्टाचार को रोक लगाने में संगठन कीअहम भूमिका पर जोर दिया गया एवं मानव के अधिकार की रक्षा करके संगठन के उद्देश्य की प्रतिपूर्ति की जाए इस विषय पर विस्तृत चर्चा कर जानकारी प्रदान किया गया संगठन के द्वारा स्किल इंडिया कौशल विकास योजना के तहत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए कार्यक्रम करने की रूपरेखा तैयार की गई कार्यक्रम में मुख्य रूप से मानव कल्याण अधिकार एवं भ्रष्टाचार निर्मूलन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गुप्ता,अजीत सिंह, विष्णु केशरवानी,अशोक गुप्ता, लाल संतोष सिंह, राजेश प्रजापति, पंकज गुप्ता, श्याम शर्मा, अशोक सिंह ,आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति में मानव कल्याण अधिकार एवं भ्रष्टाचार निर्मूलन संगठन की बैठक आयोजित की गई।

विधायक गुलाब कमरो ने मनेंद्रगढ़ जनपद क्षेत्र में 2 करोड़ 28 लाख के कार्यों की दिलाई स्वीकृति।

भरतपुर सोनहत विधानसभा को फिर मिली 2 करोड़ 28 लाख की सौगात

कोरिया। सविप्रा उपाध्यक्ष एवं विधायक गुलाब कमरो के द्वारा विधानसभा क्षेत्र में निरन्तर विकास कार्यो की सौगात दिलाई जा रही है। विदित हो कि कल 6 करोड़ 39 लाख के विकास कार्यो का भूमिपूजन कर आज पुनः विधानसभा क्षेत्र में बहुप्रतीक्षित विकास कार्य हेतु 2 करोड़ 28 लाख की स्वीकृति विधायक गुलाब कमरो ने दिलाई है। इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत साल्ही-मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजनांतर्गत महावीर घर से रामबरन घर तक सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्य-78 लाख 40 हजार की स्वीकृति मिली है वही वनवासी कल्याण आश्रम से अगरियापारा लालपुर पहुँच मार्ग कार्य-49 लाख 77 हजार की स्वीकृति मिली है । विकास के अनुक्रम में रोझी अटल चौक से बियारपारा पहुँच मार्ग कार्य-49 लाख 92 हजार, के अलावा मुख्य सड़क से छट्टनपारा बस्ती पहुँच मार्ग कार्य-49 लाख 98 हजार की स्वीकृति मिली है। विधायक ने विधानसभा क्षेत्र में ताबड़तोड़ विकास कार्यो की स्वीकृति मिलने पर मुख्यमंत्री,विधानसभा अध्यक्ष,पंचायत मंत्री और

पीडब्ल्यूडी मंत्री का क्षेत्रवासियों की ओर से सादर आभार व्यक्त किया है।

क्षेत्र को लगातार मिल रही बहुप्रतीक्षित विकास कार्यो की सौगात

विधायक गुलाब कमरो के नेतृत्व में भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र को लगातार बहु प्रतीक्षित विकास कार्यो की सौगात मिल रही है, क्षेत्र में विकास कार्यो की स्वीकृति के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विधायक व सांसद समेत मंत्री गणों को धन्यवाद दिया है। विधायक गुलाब कमरो ने कहा लगातार मेहनत कर वो हर दिन क्षेत्र के लिए नए विकास कार्यो हेतु लगातार प्रयासरत हैं। विधायक ने बताया कि क्षेत्र के सभी बहुप्रतीक्षित कार्यो को पूरा कराने लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। आगामी बजट में भी बहुत से कार्यो को स्वीकृति मिलने की संभावना है।15 साल की पूर्व सरकार ने आम जन मानस के हित मे ग्रामीण अंचलों को ठगने का काम किया था लेकिन भूपेश बघेल की सरकार ने सड़क बिजली पानी स्वास्थ्य शिक्षा संस्कृति पर्यटन क्षेत्र में विकास कार्य के साथ नवीन पंचायतों धान खरीदी केंद्र सहकारी समिति हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी से लेकर कालेज बनाये जा रहे हैं ,जाती निवास से लेकर वन अधिकार पट्टा तक के लिए अभियान चला कर लोगो को लाभान्वित किया जा रहा है।

कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण मध्य प्रदेश में 12 वीं तक के स्कूल 31 जनवरी तक बंद

भोपाल। मध्य प्रदेश में पहली से 12 वीं तक की कक्षाएं कल से 31 जनवरी तक के लिए बंद कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह निर्देश आपदा प्रबंधन की बैठक में दिए। 20 जनवरी से होने वाली प्री बोर्ड परीक्षा अब आनलाइन ली जाएगी। प्रदेश में आर्थिक गतिविधि बंद नहीं होंगी। राजनीतिक रैली और सामाजिक कार्यक्रम की भी अब अनुमति नहीं होगी। स्टेडियम पचास प्रतिशत खिलाड़ियों की मौजूदगी के साथ खुलेंगे।

घट रहे रोजगार क्यों

घट रहे हैं
रोजगार क्यों ?
बढ रहे हैं
भ्रष्टाचार क्यों ?
भूल जाते,
जनप्रतिनिधि
जनता का महा मतदान-
आभार क्यों ?
भारत में
जनता का,
जनता के लिए,
जनता के द्वारा,
होती है सरकार...
इस परिपाटी का गुम होता
जा रहा ऐतबार क्यों?
धोती खोलकर,पगड़ी बना,
पहनाने का हो रहा व्यवहार
क्यों ?
जनता के पास
गरीबी, लाचारी बदनसीबी,
बेकारी है,
और नेताओं के पास,
आलीशान बंगले ,कोठी
ऐशो-आराम,
बड़ी-बड़ी कारों का जखीरा
है तैयार क्यों ?
घट रहे हैं
रोजगार क्यों ?
बढ रहे हैं
भ्रष्टाचार क्यों?
सुनिये नेता जी,
किया गया वादा निभाना
होगा,
बढ़ती जनसंख्या के आधार
पर रोजगार भी बढ़ाना
होगा,
क्या नेता बनना भी
बेरोज़गारी खत्म करने
और
रोजगार पाने का तरीका हो
गया है.....?
शर्म नहीं आती,
नेता बनते ही
बेरोज़गारो को नजरंदाज
करना
तुम्हारा सलीका हो गया
है...?
देश के शिक्षित युवा
आज हैं निराधार क्यों?
घट रहे हैं
रोजगार क्यों ?
बढ रहे हैं
भ्रष्टाचार क्यों ?
कैसे करें हम
सरकार का आभार ??
जनता के वोटोंके दम पर
बनती है सरकार ?
मगर धन कुबेरों पर
मेहरबान होती रहती है
सरकार क्यों ?
धन का लग रहा वहीं
अम्बार क्यों ?
कैसे करें हम सरकार का
आभार !!
मिलता है हमको धोखा
बार-बार !!
घट रहे हैं
रोजगार क्यों ?
बढ रहे हैं
भ्रष्टाचार क्यों ?

■ हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

जिले में तेंदूपत्ता संग्राहकों को 21 करोड़ से ज्यादा राशि का भुगतान

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लघु वनोपज की खरीदी, आदिवासी संग्राहकों को मिली आर्थिक मजबूती

कोरिया। वनोपज बहुल कोरिया जिले में वनवासियों एवं लघुवनोपज संग्राहकों के लिए लघुवनोपज संग्रहण जीवकोपार्जन का महत्वपूर्ण साधन रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व राज्य शासन द्वारा 52 लघु वनोपजों की खरीदी की जा रही है जिससे वन और वनोपज पर आश्रित आदिवासी संग्राहकों को आर्थिक मजबूती मिली है। वर्तमान में राज्य शासन द्वारा 52 प्रजाति के लघु वनोपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित कर खरीदी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर वनोपज संग्राहकों को उनकी मेहनत का वाजिब मूल्य दिलाने के लिए लघु वनोपजों के क्रय मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। जिले में मुख्य रूप से माहुल पत्ता, हर्रा कचरिया, बहेड़ा, काटा झाड़ू, रंगीनी लाख, बेलगुदा, चिरौंजी गुठली, महुआ फुल, महुआ बीज, इमली, सालबीज, बायबिडिंग, धवई फूल, कालमेघ, नागरमोथा, शहद, जामुन बीज, चरोटा बीज, वनतुलसी, पलास फूल, बहेड़ा कचरिया वनोपज पाए जाते है। जिनके न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के माध्यम से वनवासियों एवं लघुवनोपज संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लघु वनोपज खरीदी से आदिवासी संग्राहकों को मिली आर्थिक मजबूती, बदली जिंदगी की तस्वीर जिले में

वनमंडल बैकुण्ठपुर के 17 और मनेन्द्रगढ़ के 15 प्राथमिक वनोपज समितियों के अंतर्गत वनोपजों का क्रय किया जा रहा है। वनमंडल बैकुण्ठपुर के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक 625 हितग्राहियों से 969 क्विंटल वनोपज की खरीदी की गई जिसके एवज में 32 लाख 22 हजार 827 रूपये की राशि संग्राहकों को दी गयी है। इसी तरह वनमंडल मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में 1 हजार 217 संग्राहकों से 1 हजार 661 क्विंटल वनोपज की खरीदी की गई जिसके एवज में 34 लाख 74 हजार रूपये की राशि संग्राहकों को दी गयी है और वित्तीय वर्ष 2021-22 में नवंबर 2021 तक 228 क्विंटल वनोपज खरीदी पर 183 संग्राहकों को 4 लाख 46 हज़ार 200 रुपये का भुगतान किया गया है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को 21 करोड़ से ज्यादा राशि का मिला लाभ

तेंदूपत्ता संग्रहण की दर को 2500 रूपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर सीधे 4000 रूपए प्रति मानक बोरा किया गया जिससे संग्राहकों को अतिरिक्त लाभ की प्राप्ति हुई है। तेन्दूपत्ता सीजन 2021 के तहत 53 हजार 143 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण कर 28 हजार 179 संग्राहकों को 21 करोड़ 25 लाख 75 हजार 820 रूपए की राशि फि गयी है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा मजार में चादर चढ़ाई गई प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उत्तम स्वास्थ्य एवं उनकी दीर्घायु के लिए दुआ मांगी गई

कोरिया। कुछ दिनों पूर्व पंजाब में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के काफिले को रोक कर एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी गई कि उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया । यह माना जा सकता है कि कोई भी बहुत बड़ी घटना हो सकती थी और उस घटना को किसी तरह ऊपर वाले ने कामयाब नहीं होने दिया । पूरे देश में विभिन्न समुदाय के द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लंबी उम्र की कामना की जा रही है । इसही परिपेक्ष में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के द्वारा अरबशाह बाबा में चादर चढ़ाई गई और दुआ की गई कि ऊपर वाला उनको बहुत लंबी उम्र दे ताकि इस देश की वह सेवा करते रहे। जिस तरह से माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास, के आधार पर देश को आगे बढ़ाया जा रहा है उसही तरह देश निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहें । इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल केसरवानी, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अंकुर जैन, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी जेके सिंह, मंडल महामंत्री रामचरित द्विवेदी, संजय गुप्ता, पूर्व मंडल महामंत्री जमील शाह, विवेक अग्रवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष वारिस खान, महामंत्री बलाल अख्तर, शकील अख्तर, जलील शाह, हेमंत सोनी, ईशा दास, राजेश विश्वकर्मा, अशोक नाविक, हीरा लाल रजक, महेंद्र सिंह आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का हिसा बने पुरुषोत्तम मिला दायित्व अखिल भारतीय कांग्रेस ब्रिगेड कमेटी मध्यप्रदेश सचिव का

सतना। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी, तथा आम आदमी की आवाज श्री राहुल गांधी जी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा जी, अखिल भारतीय कांग्रेस ब्रिगेड कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री डॉक्टर संजय सिंह विशेन जी, अखिल भारतीय कांग्रेस ब्रिगेड कमेटी मध्यप्रदेश के युवा प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री राजा भैया सिंह पटेल जी,के अनुशंसा पर श्री पुरुषोत्तम कुशवाहा जी को युवा प्रदेश सचिव पद पर नियुक्त किया गया है ताकि पार्टी का कार्य सुचारू रूप से करें और पार्टी का प्रचार प्रसार कर अखिल भारतीय कांग्रेस ब्रिगेड कमेटी को मजबूत करें। युवा प्रदेश सचिव बनने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एवं क्षेत्र की जनता ने हर्ष जताया है।

खुशियों की दास्तां

संस्मृति ने लगवाया वैक्सीन का प्रथम डोज, कहा- आसपास के हमउम्र साथियों को भी करेंगे प्रेरित

अनूपपुर। 08 जनवरी 2022 कोविड से बचाव को लेकर जिले में 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों को सरकारी व निजी स्कूलों में वैक्सीनेशन सेंटर बनाकर वैक्सीन की प्रथम डोज लगाने का कार्य किया जा रहा है। जिसको लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बिना भय के छात्र कोविड से सुरक्षा का चक्र अपना रहे हैं। प्रथम डोज का वैक्सीनेशन कराने के साथ ही छात्र अपने आसपास के हम उम्र साथियों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहे हैं। शनिवार को जिले में 15 से 18 वर्ष के किशोर-किशोरियों के लिए सरकारी व निजी स्कूलों में वैक्सीनेशन महाअभियान चलाया गया। वैक्सीनेशन के दौरान छात्रा संस्मृति मिश्रा ने प्रथम डोज लगवाई। साथ ही उन्होंने कहा कि कोविड से बचाव के लिए टीकाकरण बहुत जरूरी है और वे अपने घर के आसपास के ऐसे बच्चे जो स्कूल में नहीं पढ़ रहे हैं, उनको भी टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करेंगी।

पोषण स्तर का आंकलन करने जिले में वजन मापन कार्यक्रम शुरू

कलेक्टर धावड़े ने बैकुण्ठपुर की आंगनबाड़ियों में किया निरीक्षण

- रेडी टू ईट, गरम भोजन के साथ नियमित अण्डा वितरण की पहल के सकारात्मक परिणाम, मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चे हो रहे सुपोषित

- कलेक्टर ने अण्डा वितरण और बच्चों के आहार की माताओं से ली जानकारी

कोरिया। जिले में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान और गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए कलेक्टर श्याम धावड़े के मार्गदर्शन में हमर सुपोषित कोरिया अभियान तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है। जिसके तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अतिरिक्त पोषण आहार में प्रोटीन की खुराक के रूप में 6 माह से 05 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को सप्ताह के 05 दिन अण्डा वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में बच्चों में पोषण स्तर का आंकलन करने जिले में आज से 6 माह से 05 वर्ष तक की उम्र के बच्चों का वजन मापन कार्यक्रम शुरू हो गया है। यह कार्यक्रम15 जनवरी तक चलाया जाएगा। कलेक्टर धावड़े ने स्वयं विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के अंतर्गत आंगनबाड़ियों में पहुंचकर वजन मापन कार्यक्रम का निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत श्री कुणाल दुदावत के साथ कलेक्टर छिंदडांड, जूनापारा, केनापारा और स्कूलपारा स्थित आंगनबाड़ी में बच्चों के वजन मापन कार्यक्रम में शामिल हुए। वजन मापन कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के कुपोषण से मुक्त होकर सुपोषित और स्वस्थ होने का चिन्हांकन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री धावड़े द्वारा सुपोषण अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए निरंतर मानिटरिंग की जा रही है। अण्डा वितरण की पहल के सकारात्मक परिणाम, जूनापारा में 3 साल की श्रेया और स्कूलपारा में रुक्मणी गंभीर कुपोषण से बाहर जूनापारा स्थित आंगनबाड़ी में कलेक्टर धावड़े के समक्ष 3 वर्ष की श्रेया का वजन मापन किया गया। मध्यम कुपोषण वर्ग से श्रेया का वजन करने पर बच्ची का वजन 11 किलो 600 ग्राम आया। इसी तरह स्कूलपारा आंगनबाड़ी में भी निरीक्षण के दौरान गंभीर कुपोषित रही बच्ची रुक्मणी का वजन किया गया। जहां रुक्मणी का वर्तमान वजन 9.780 किलो मापा गया। इसके पूर्व बच्ची का वजन 6 से 7 किलो के बीच था। कलेक्टर धावड़े ने रुक्मणी के सुपोषण चार्ट का स्वयं अवलोकन किया, जिसके अनुसार अब रुक्मणी गंभीर कुपोषण से बाहर आ चुकी है। कलेक्टर धावड़े में आंगनबाड़ी में बच्चों के साथ पहुंची माताओं से अण्डा वितरण और बच्चों के आहार की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि जिले में नौनिहालों को कुपोषण मुक्त करने हेतु अतिरिक्त पोषण आहार के रूप में भरपूर प्रोटीन की खुराक के रूप में अण्डा खिलाया जा रहा है। अंडे की आपूर्ति बिहान के संकुल स्तरीय संगठन की महिला समूहों के माध्यम से बच्चों के घर-घर जाकर की जा रही है। इसके साथ ही परिजनों को पौष्टिक आहार के साथ ही अण्डे से लाभ की जानकारी भी दी जा रही है।

स्थानीय पुलिस की सांठगांठ से जगह-जगह शराब ठेकेदार बिकवा रहा अवैध रूप से शराब..?

कोतमा। कोयलांचल नगरी में फिल्टर युक्त पीने योग्य पानी तो आसानी से नहीं मिल पा रहा है, परंतु अवैध शराब अवश्य मिल जाती है। अवैध शराब कारोबारियों की वजह से सैकड़ों परिवार बर्बाद हो चुके हैं। मदिरा प्रेमियों की संख्या बढ गई है। शिकायत किए जाने के बावजूद न ही आबकारी विभाग कोई कार्यवाही करता है और न ही पुलिस कोई कार्यवाही करती हैं, जिसके चलते अवैध शराब का विक्रय करने वालों के हौसले तो बुलंद हुए हैं। वही शराब ठेकेदार के गुर्गे अपनी दो पहिया व चार पहिया वाहन से खुलेआम थाने के सामने से शराब की अवैध पैकारी शासकीय शराब दुकान से करवाते हैं लेकिन स्थानीय पुलिस यह सब जानकर भी अनजान बनी रहती है। कोयलांचल क्षेत्र जमुना,भालूमाड़ा व कोतमा में खुलेआम नगर के अधिकांश वार्डों में शराब की अवैध बिक्री हो रही है। स्थिति इतनी विस्फोटक हो गई है कि कुछ लोग तो सुबह से ही अवैध शराब के ठिकानों पर पहुंचकर अपनी गाढ़ी कमाई को नशे में झोंक रहे हैं।कोयलांचल क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बिक्री करवाने का शराब ठेकेदार का कारोबार किस कदर धड़ल्ले से फल-फूल रहा है, इस बात का अंदाजा जगह-जगह डिस्पोजल, गिलास तथा शराब की खाली बोतलों को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। वहीं, शाम को आसपास के कुछ इलाकों में स्थिति इतनी विस्फोटक हो जाती

है कि लोग आने-जाने से कतराने लगते हैं। इसके चलते यहां के स्थानीय निवासियों के बीच आक्रोश की स्थिति बनती चली जा रहे है।

युवा भी हो रहे शिकार

इस पूरे मामले में बेहद गंभीर विषय यह है कि जगह-जगह बिकने वाली शराब पर किसी तरह की कार्यवाही न होने के कारण बच्चों के साथ-साथ युवा भी नशे के आदी होते जा रहे हैं। परंतु इस मामले को लेकर जिम्मेदारों की चुप्पी भी उन्हें संदिग्धता के कठघरे में लाकर खड़ा कर रही है कि आखिर क्या वजह है कि शराब ठेकेदार द्वारा बनाए गए अवैध शराब के ठीहे पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। शराब ठेकेदार के गुर्गे बड़ी मात्रा में शासकीय शराब दुकान जमुना व कोतमा से जगह जगह शराब की पैकारी स्थानीय पुलिस की सांठगांठ से कर रहे हैं जिससे सुनसान इलाके तथा संकरे रास्ते रात के अंधेरे में मदिरा प्रेमियों के खास ठीहे बनते जा रहे है। मदिरा प्रेमी इन संकरी गलियों में खुलेआम बैठकर शराब पीते आसानी से देखे जा सकते हैं। भालूमाड़ा में लाइन दफाई, ईंटा दफाई,अमन चौक,गोल बाजार,3 नंबर,2 नंबर वही जमुना में सरकारी स्कूल के पास,चांदनी चौक,होटल,रेस्टोरेंट,बिरयानी दुकानें सहित नगर के विभिन्न स्थलों में अवैध शराब की बिक्री तेजी से की जा रही है।

जमुना सरकारी स्कूल के पास ठेकेदार के अवैध शराब का मुख्य ठीहा - कोयलांचल के जमुना कोतमा क्षेत्र में शासकीय शराब दुकान से बड़ी मात्रा में शराब दुकान से निकाली जाती है और जमुना के सरकारी स्कूल के पास से जगह जगह शराब ठेकेदार के गुर्गों द्वारा शराब की सप्लाई स्थानीय पुलिस की सांठगांठ से कराई जाती है।वही कुछ स्थानीय पुलिस के लोग शराब ठेकेदार के चहेते बनकर कार्यवाही होने से पहले ही सारी जानकारी शराब ठेकेदार को पहुंचा देते हैं,जिससे अगर पुलिस अधिकारी छापेमार कार्यवाही भी करने जाती है तो उनके हाथ कुछ नहीं लगता और कार्यवाही करना मात्र दिखावे की बात हो जाती है। स्थानीय पुलिस की सांठगांठ से जमुना कोतमा क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार जमकर फलफूल रहा है और दिनो दिन अवैध शराब के ठीहे बढ़ते जा रहे हैं,जिसकी खबर स्थानीय पुलिस अधिकारियों को तो है पर कार्यवाही करने से कतराते हैं।वही आबकारी विभाग के कुछ अधिकारी भी कहा पीछे रहने वाले हैं पैसे तो विभाग से लेते हैं पर कार्य शराब ठेकेदार के लिए करते हैं,आबकारी विभाग के कुछ अधिकारियों की मिली भगत अवैध शराब के ठीहे में देखने को मिलती है।शराब ठेकेदार ने इन दिनों कुछ पुलिस अधिकारियों से सांठगांठ कर ली है और खुलेआम क्षेत्र में अपना अवैध शराब का कारोबार चला रहा है जिस पर कार्यवाही तो दूर की बात है जिम्मेदारों ने अपने आंखें बंद कर लिए हैं।

संपादकीय

चुनावों की तारीखों का ऐलान तो हो गया, अब जरा पाँचों राज्यों के राजनीतिक परिदृश्य पर भी नजर डाल लीजिये

पाँच राज्यों में अब चूँकि चुनावी बिसात बिछ चुकी है इसलिए पल-पल राजनीतिक घटनाक्रम बदलता रहेगा। देखना होगा कि इन पाँच में से चार राज्यों में सत्तारुढ़ भाजपा क्या फिर से चारों राज्यों की सत्ता हासिल कर पाती है और क्या वाकई पंजाब में प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा पाती है। पाँच राज्यों में विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो चुका है और इसके साथ ही अब चुनावी मैदान सज गया है। देखना होगा कि किस-किस दल से कौन-कौन-से राजनीतिक महारथी चुनावी मुकाबले में उतरते हैं। माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद भाजपा सहित अन्य पार्टियों के उम्मीदवारों की पूरी सूची आ जायेगी। हालांकि आम आदमी पार्टी समेत कुछ और क्षेत्रीय दल हैं जो पिछले कुछ समय से एक-एक कर अपने उम्मीदवारों की सूची घोषित करने का सिलसिला बनाये हुए हैं। लेकिन अब जब चुनावों का ऐलान हो चुका है तो देखना यह होगा कि कौन-कौन-सी पार्टियां अपने कितने विधायकों का टिकट काटती हैं और जाहिर-सी बात है कि जिनके टिकट कटेंगे वह पाला बदल कर दूसरे दल के उम्मीदवार के रूप में नजर आयेंगे। यह भी देखना होगा कि इस बार चुनावों में उम्मीदवार के रूप में फिल्म, खेल या बिजनेस क्षेत्र की कौन-कौन-सी हस्तियां उतरती हैं।

यूपी का चुनावी परिदृश्य

विधानसभा चुनावों के मुद्दों की बात करें तो उत्तर प्रदेश में स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है कि भाजपा जहां योगी और मोदी सरकार की उपलब्धियों और डबल इंजन वाली सरकार के फायदे गिना रही है और एक साफ और कठोर निर्णय करने वाले मुख्यमंत्री की छवि रखने वाले योगी आदित्यनाथ के नाम पर वोट मांग रही है तो वहीं सत्ता में आने को आतुर दिख रही समाजवादी पार्टी यह दावा कर रही है कि योगी सरकार जिन कामों को गिना रही है उन्हें सपा सरकार ने ही शुरू किया था। सपा का यह भी आरोप है कि पिछले पांच साल में बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ा है और किसानों को उनकी उपज का सही दाम इस सरकार के कार्यकाल में नहीं मिल पा रहा है। जहां तक बसपा की बात है तो वह भी सपा और भाजपा दोनों पर ही आरोप लगाकर अपने शासनकाल की उपलब्धियां याद दिला कर वोट मांग रही है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने तो वादों का पिटारा ही खोल दिया है। इन दोनों पार्टियों के वादों पर तो उत्तर प्रदेश में खूब हंसी-ठिठोली भी चल रही है। बाकी अन्य क्षेत्रीय दल किसी ना किसी गठबंधन के तहत अपनी-अपनी चुनावी संभावनाएं बेहतर करने में लगे हुए हैं।

सपा को हिन्दुत्व की 'पिच' पर 'बैटिंग' करने को मजबूर कर रही है भाजपा

भाजपा ने कहा है कि अखिलेश यादव ने लोगों की भावनाएं आहत की हैं और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, विवाद की शुरूआत तब हुई जब सपा अध्यक्ष से एक टीवी इंटरव्यू में एंकर ने पूछा कि अपने कार्यकाल में वह कभी नोएडा क्यों नहीं गए। अखिलेश ने पहले तो नोएडा में किए गए काम गिनाकर सीधा जवाब देने से बचने की कोशिश की।

हिन्दुत्व के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी और भाजपा में टकराव बढ़ता जा रहा है। अभी योगी के 80 बनाम 20 की लड़ाई का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि सपा प्रमुख ने धर्म भी कभी-कभी अंधविश्वास होता है, वाला बयान देकर एक बार फिर भाजपा को हमलावर होने का मौका प्रदान कर दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से एक इंटरव्यू में आए उक्त विचार को भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है।

भाजपा ने कहा है कि अखिलेश यादव ने लोगों की भावनाएं आहत की हैं और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, विवाद की शुरूआत तब हुई जब सपा अध्यक्ष से एक टीवी इंटरव्यू में एंकर ने पूछा कि अपने कार्यकाल में वह कभी नोएडा क्यों नहीं गए। अखिलेश ने पहले तो नोएडा में किए गए काम गिनाकर सीधा जवाब देने से बचने की कोशिश की, लेकिन जब दोबारा उनसे यही सवाल पूछा गया तो हंसते हुए उन्होंने नोएडा वाले डर का सच स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि नोएडा इसलिए नहीं गया क्योंकि माना जाता है कि जो चला जाता है वह मुख्यमंत्री नहीं आ पाता है। हमारे बाबा मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) हो आए अब दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। एंकर ने जब इसे अंधविश्वास कहा तो अखिलेश बोले कि हां, तो धर्म भी कभी-कभी अंधविश्वास होता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की हिंदू विरोधी छवि गढ़ने में जुटी भाजपा ने इसे लपकने में देर नहीं की। बीजेपी के ट्विटर हैंडल से इंटरव्यू के इस हिस्से को ट्वीट करते हुए लिखा, 'चुनावी हिंदू को धर्म अंध विश्वास ही लगेगा' वहीं, यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश यादव के इस बयान की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें लोगों से माफी मांगनी चाहिए। मौर्य ने कहा कि धर्म को अंधविश्वास बताने से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। मैं चाहता हूं कि वे माफी मांगें। खैर, राजनीति में अक्सर यह देखा जाता है कि नेता ऐसा कुछ बोल जाता है जो उसके दिल में नहीं होता है, लेकिन विरोधी खेमा इसे उक्त नेता के दिल की बात से जोड़ देता है, ऐसा ही अखिलेश यादव के साथ हो रहा है। बीजेपी उनके खिलाफ हमलावर है। राजनीति के जानकारों को पता है कि नेता जो बोलता है, वह तो उसकी जुबान पर जरूर होता है, लेकिन वह जो नहीं बोलता है, वह उसके दिल में होता है। दिल की बात जुबां पर ऐसे घुमा-फिरा कर लाई जाती है कि 'सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।' जनता और विपक्ष समझ भी जाए और कहीं कोई कानूनी लफड़ा भी न हो। खासकर चुनावी मौसम में इस बात का ध्यान कुछ ज्यादा ही रखा जाता है, वर्ना चुनाव आयोग आचार संहिता का हंटर चला सकता है। कौन-सी बात कहां कहनी है और कहां चुप्पी साध लेना है, यह भी नेताओं से बेहतर कोई और नहीं जानता है। ऐसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान (80 बनाम 20) ने इस समय सियासी बवंडर खड़ा कर रखा है। पूरी सियासत योगी के बयान के बीच उलझ कर रह गई है। योगी आदित्यनाथ का कहना था कि यूपी में इस बार की लड़ाई 80 बनाम 20 की है। सब जानते और समझते हैं कि योगी का इशारा 80 फीसदी हिन्दू और 20 फीसदी मुसलमानों की तरफ था, लेकिन जब उनसे 80 बनाम 20 का मतलब समझाने की कोशिश की जाती है तो वह कहते हैं कि 20 फीसदी में वह लोग शामिल हैं जो अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण का और वाराणसी में विश्वनाथ मंदिर में बने काशी कॉरिडोर का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि जिनको मथुरा से परेशानी है, जो आतंकवादियों को छोड़ते हैं और कारसेवकों पर गोली चलाते हैं, जिन्हें राष्ट्रवाद से नफरत है वह 20 प्रतिशत में आते हैं। योगी इशारों में समाजवादी पार्टी को घेरते हैं तो इसीलिये उनके (योगी के) बयान पर सबसे ज्यादा समाजवादी पार्टी के नेता भड़कते हैं। लगातार समाजवादी पर हमलावर मुख्यमंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने खुल कर कहा कि हिंदू विरोधी तत्व उन पर कभी भरोसा नहीं करते, भले ही वो कुछ भी कर दें। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा, हिंदू विरोधी तत्व पहले भी मुझ पर भरोसा नहीं करते थे, और आगे भी नहीं करेंगे। इतना ही नहीं सीएम योगी ने कहा कि अगर मैं अपनी गर्दन काटकर ऐसे लोगों के सामने प्लेट में रख दूं तो भी इन्हें मुझ पर यकीन नहीं होगा। योगी एक न्यूज चैनल को इंटरव्यू दे रहे थे। एंकर ने जब उनसे सवाल किया कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के साथ थोड़ी दूरी पर मस्जिद भी बन रही है, वहां वह जाएंगे तो सीएम ने बेहद साफगोई से जवाब दिया कि मुख्यमंत्री की हैसियत से मुझे किसी धर्म से कोई परहेज नहीं है। योगी के बयान के बाद राजनीतिक दलों में जुबानी जंग तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी ने समाजवादी और अंबेडकरवादी का योग 85 फीसदी बताते हुए बीजेपी पर पलटवार किया। सपा प्रवक्ता सुनील यादव ने कहा, योगी जी जो कह रहे हैं 20 और 80 की लड़ाई, उनका गणित अभी थोड़ी गड़बड़ है, लड़ाई 15 और 85 की है, जब समाजवादी और अंबेडकरवादी मिल गए तो हो गए 85 फीसदी। 15 में भी हम वोट लेंगे, तो अब समझ लें वो अपना गणित। उधर, कांग्रेस ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान को साम्प्रदायिक करार दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने एक पोस्ट टैग करते हुए ट्वीट किया। उन्होंने लिखा है कि माननीय केंद्रीय चुनाव आयोग, आपको और क्या प्रमाण चाहिए? जो भी धर्म के नाम पर वोट मांगता हो उसके खिलाफ साहस दिखा कर कार्रवाई करिए अन्यथा आपको इतिहास माफ नहीं करेगा।

■ मौर्य ने कहा कि धर्म को अंधविश्वास बताने से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

स्वामी विवेकानंद ने भारत माता के अनेक सपूतों के मन में संघर्ष करने की प्रेरणा पैदा की

भारत के बाहर जब स्वामी विवेकानंद ने अपना महत्वपूर्ण समय बिताया तब उन्होंने दुनिया की नज़र से भारत को देखा, दुनिया की नज़र में भारत को देखा। भारत के बारे में बनाई गई मिथ्या प्रतिमा खंड-खंड हो गई। भारत का अप्रतिम सौंदर्य उनके सामने प्रकट हुआ। स्वामी विवेकानंद ऐसे संन्यासी हैं, जिन्होंने हिमालय की कंदराओं में जाकर स्वयं के मोक्ष के प्रयास नहीं किये बल्कि भारत के उत्थान के लिए अपना जीवन खपा दिया। विश्व धर्म सम्मलेन के मंच से दुनिया को भारत के 'स्व' से परिचित कराने का सामर्थ्य स्वामी विवेकानंद में ही था, क्योंकि विवेकानंद अपनी मातृभूमि भारत से असीम प्रेम करते थे। भारत और उसकी उदात्त संस्कृति के प्रति

उनकी अनन्य श्रद्धा थी। समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जो स्वामी जी या फिर अन्य महान आत्माओं के जीवन से प्रेरणा लेकर भारत की सेवा का संकल्प लेते हैं। रामजी की गिलहरी के भांति वे भी भारत निर्माण के पुनीत कार्य में अपना योगदान देना चाहते हैं। परन्तु भारत को जानते नहीं, इसलिए उनका गिलहरी योगदान भी ठीक दिशा में नहीं होता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, चिन्तक एवं वर्तमान में सह-सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य अक्सर कहते हैं कि ÷भारत को समझने के लिए चार बिन्दुओं पर ध्यान देने की जरूरत है। सबसे पहले भारत को मानो, फिर भारत को जानो, उसके बाद भारत के बनो और सबसे आखिर में भारत को बनाओ÷। भारत के निर्माण में जो भी कोई अपना योगदान देना चाहता है, उसे पहले इन बातों को अपने जीवन में उतरना होगा। भारत को मानेंगे नहीं, तो उसकी विरासत पर विश्वास और गौरव नहीं होगा। भारत को जानेंगे नहीं तो उसके लिए क्या करना है, क्या करने की आवश्यकता है, यह ध्यान ही नहीं आएगा। भारत के बनेंगे नहीं तो बाहरी मन से भारत को कैसे बना पाएंगे? भारत को बनाना है तो भारत का भक्त बनना होगा। उसके प्रति अगाध श्रद्धा मन में उत्पन्न करनी होगी। स्वामी विवेकानंद भारत माता के ऐसे ही बेटे थे, जो उनके एक-एक धूलि कण को चन्दन की तरह माथे पर लपेटते थे।

वर्चुअल रैली क्या होती है? इसका क्या भविष्य है? इससे राजनीतिक दलों को कितना लाभ मिलेगा?

आपको पता होना चाहिए कि वर्चुअल रैली में रियल टाइम इवेंट के तहत न केवल तरह तरह का आयोजन किया जा रहा है, बल्कि कुछ फेमस ब्रांड और कंपनियां शार्प प्लानिंग एवं टाइमलाइन ट्रैकिंग जैसी महंगी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं भी दे रही हैं, जिसकी मांग भारतीय राजनीतिक दलों के बीच काफी बढ़ी है। कोविड 19 के बढ़ते संक्रमण के बीच वर्ष 2020 में संपन्न संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति पद के तत्कालीन दावेदार और अब मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो विडेन ने जिन वर्चुअल रैलियां और इलेक्शन कैंपेन का सहारा लेकर चुनावी विजय श्री का वरण किया है, अब वही डिजिटल व वर्चुअल तकनीक भारत में वर्ष 2022 में होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी धमाल मचाएगी। हालांकि इसके टेलर तो वर्ष 2020 में हुए बिहार विधानसभा के चुनाव और 2021 में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव में भी देखे जा चुके हैं, जिससे भारतीय राजनैतिक दल भी बेहद उत्साहित हैं। बता दें कि केंद्रीय चुनाव

आयोग ने बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच सियासी दलों से अपील की है कि चुनाव प्रचार के लिए वो डिजिटल और वर्चुअल चुनाव प्रचार माध्यमों का अधिक से अधिक सहारा लें। क्योंकि आयोग ने चुनावों के दौरान किसी भी तरह की भीड़ नहीं जुटने देने की प्रशासनिक प्रतिबद्धता के मद्देनजर किसी भी तरह की चुनावी रैलियों, नुक्कड़ सभाओं और रोड शो आदि पर प्रतिबंध लगा दिए हैं, ताकि इनमें जुटने वाली भीड़ के सहारे कोरोना वायरस के घर-घर दाखिल होने का मंसूबा पूरा नहीं हो पाए। बता दें कि यह एक ऐसा वायरस है जिसका मास इंफेक्शन किसी भी देश के लिए विपदाकारी बन सकता है।

वेयर हाउस तक का कच्चा मार्ग होने से किसानों के वाहन फंसे

बेगमगंज। असमय बारिश से वेयरहाउस पर किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विक्रय केंद्र जिस वेयरहाउस में बनाया गया है वहां पर पक्की सड़क नहीं होने से वाहन फंस रहे व धान भीग रही है। करीब दो दर्जन वाहन कीचड़ में फंस गए वहीं वेयर हाउस के बाहर खड़ी ट्रालियों की धान भी बारिश में भीगी। विभाग की प्रबंधक साधना पवार का कहना है कि जितनी भी छति हुई है उसकी पूर्ति वेयर हाउस के मालिक से की जाएगी। ऐसे वेयरहाउस में खरीदी केंद्र बनाया गया है जहां के पहुंच के लिए पक्की सड़क नहीं है। गत दिनों से हो रही बेमौसम बारिश से धान खरीदी केंद्र किसान वेयर हाउस पर पक्की सड़क नही होने से दलदल मच गई और बड़ी तादाद में धान से भरे वाहन बुरी तरह दलदल में फंस गए जिनमे किसानों द्वारा धान से भरे वाहन के साथ साथ धान के लिए परिवहन कर रहे वाहन भी पक्की सड़क न होने की वजह से दलदल में फंस गए।वही किसानों की ट्रैक्टर ट्रालियों में रखी धान भी बारिश से भीग गई।

वेयर हाउस मालिक की लापरवाही की खेत के बीचों बीच वेयर हाउस तो बना लिया लेकिन मैन सड़क से वेयर हाउस तक जाने के लिए पक्की सड़क नही बनवाईए यही कारण रहा कि बेमौसम बारिश से वहां दलदल मच गई ऐसा पहली बार नहीं हुआ है इससे पूर्व भी वहां पर एक खरीदी केंद्र बनाया गया था तब भी बेमौसम बरसात से वहां पर यही परेशानी सामने आई थी उसके बावजूद भी विभाग ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और किसान परेशान हो रहे हैं। परेशान किसानों ने कुछ वाहनों को ट्यूचिंग के रिए निकालने की भरपूर कोशिश की लेकिन पानी अधिक गिर जाने से किसी भी वाहन को निकाला नही जा सका। वही वाहन चालकों का कहना है की अगर मुख्य मार्ग से वेयर हाउस तक पक्की सड़क होती तो हम वाहन चालकों को जूझना नहीं पड़ता। धान की खरीदी होने से पहले ही मीडिया ने मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के प्रबंधन को आगाह कर दिया था कि मौसम खराब हो रहा है। बारिश हुई तो धान से भरे वाहन कीचड़ में फंस जाएंगे। वेयर हाउस का अनुबंध करने से पहले मुख्य सड़क से पक्का मार्ग होना रूरी होता है।

रायसेन में किले पर पहुंचा पुणे से आया जनजागरण दल

रायसेन। आजादी के अमृत महोत्सव में सशक्त भारत का निर्माण के लिए एक दल पूणे से चलकर मंगलवार को सुबह 6 बजे रायसेन दुर्ग पहुंचा। यह दल भारत वर्ष की गौरवशाली वीर परम्परा की साक्ष देने वाले पानीपत की तीसरी लड़ाई की प्रेरणादायी गाथा का कृतज्ञता जागरण अभियान है। यह दल विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों से होता हुआ दि. 14-1-2022 को पानीपत पहुंचेगा। इस दल के मार्ग में ऐतिहासिक स्थल रायसेन एवं सांची को भी चुना गया है, जो हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

रायसेन में किले पर पहुंचा पुणे से आया जनजागरण दल

रायसेन। आजादी के अमृत महोत्सव में सशक्त भारत का निर्माण के लिए एक दल पूणे से चलकर मंगलवार को सुबह 6 बजे रायसेन दुर्ग पहुंचा। यह दल भारत वर्ष की गौरवशाली वीर परम्परा की साक्ष देने वाले पानीपत की तीसरी लड़ाई की प्रेरणादायी गाथा का कृतज्ञता जागरण अभियान है। यह दल विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों से होता हुआ दि. 14-1-2022 को पानीपत पहुंचेगा। इस दल के मार्ग में ऐतिहासिक स्थल रायसेन एवं सांची को भी चुना गया है, जो हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

स्वास्थ्य मंत्री ने अंधेरे में फसल नुकसान का जायजा लेने की औपचारिकता निभाई

रायसेन। एक ओर किसान असमय बारिश व ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे तथा मुआवजा की आस लगाए हुए हैं वहीं दूसरी ओर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्रामों का रात में फसलों का जायजा लेने की औपचारिकता निभाई है। डॉ. चौधरी सोमवार की रात करीब आठ बजे सांची विकासखंड के ग्राम बारला, तिजालपुर पहुंचे। अंधेरे में वाहनों की हेडलाइट से खेतों तक पहुंचने का रास्ता तो दिख गया, लेकिन ओलावृष्टि से नष्ट हुई फसलों को देखने के लिए टार्च की रोशनी का सहारा लेना पड़ा। खेतों में चारों ओर अंधेरे के बीच मंत्री के साथ पहुंचे अधिकारियों के मोबाइल की टार्च की रोशनी नजर आ रही थी। मंत्री ने करीब 10 मिनट तक खेतों के आसपास टहलते हुए किसानों से चर्चा की और उनसे फसलों को हुए नुकसान के बारे में जानकारी ली। इस दौरान डॉ. चौधरी ने किसानों से कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ है तथा प्रभावित किसानों की हर संभव सहायता की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने एसडीएम एलके खरे को शीघ्र सर्वे कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए ताकि प्रभावितों को सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य से कोई भी प्रभावित छूटे नहीं। प्रत्येक प्रभावित किसान की फसलों को हुई क्षति का आकलन किया जाए।

मंत्री को दिन में नहीं मिला समय

बताया जा रहा है कि मंत्रालय के कार्य में व्यस्तता के कारण स्वास्थ्य मंत्री को दिन में फसलों का जायजा लेने का समय नहीं मिलने के कारण वे देर शाम भोपाल से अपने विधानसभा क्षेत्र में फसल नुकसान का जायजा लेने पहुंचे। जिला मुख्यालय रायसेन से करीब 10 किमी दूरी पूर्व वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार के पैतृक गांव बारला में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने फसलों का जायजा लिया। इसके बाद तिजालपुर व दो अन्य गांवों में भी मंत्री जायजा लेने पहुंचे।

गेहूं की झड़ी बालियां देखीं

स्वास्थ्य मंत्री के साथ रात में फसलों का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम एलके खरे ने बताया कि मंत्री ने रात में टार्च की रोशनी में ग्राम बारला व तिजालपुर में खेतों में ओलावृष्टि से गेहूं की झड़ी हुई बालियां देखीं। ओला-बारिश से सांची विकासखंड के 24 गांवों में फसलों को नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के लिए राजस्व, कृषि व उद्यानिकी विभाग के कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाई गई है। प्रारंभिक तौर पर करीब 1200 हेक्टेयर में 60 फीसद से अधिक फसलों को नुकसान का आकलन है। वास्तविक जानकारी सर्वे के बाद ही पता चलेगी।

जिले में करीब चार हजार हेक्टेयर में फसलों को नुकसान

पिछले दिनों बारिश व ओलावृष्टि से जिले भर में करीब चार हजार हेक्टेयर में गेहूं, चना, तुअर व सब्जियों की फसलों को 60 फीसद से अधिक नुकसान होने का अनुमान है। कलेक्टर अरविन्द कुमार दुबे ने बताया कि फसलों को नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद शासन को मुआवजा के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
भोपाल (मप्र)मो.- 9755364204

रिएक्शनः सामंथा से डिवोर्स के बाद पहली बार नागा चैतन्य का रिएक्शन आया सामने

बोले-अलग होने का फैसला हम दोनों के लिए अच्छा था

साउथ सुपरस्टार नागा चैतन्य ने सामंथा रूथ से डिवोर्स के बाद पहली बार मीडिया से बात की है। एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म %बंगाराजू% के प्रमोशन कर रहे हैं। इस दौरान चैतन्य ने कहा कि डिवोर्स हम दोनों के लिए सबसे अच्छा कदम था। सामंथा और चैतन्य ने अपनी 4 साल की शादी को खत्म करने का ऐलान कर दिया था।

अलग होना सबसे अच्छा फैसला था

फिल्म के प्रमोशन के दौरान नागा चैतन्य से डिवोर्स के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, फ्रकोई बात नहीं। मैं आपको बता दूं पर्सनली हमारा डिवोर्स हम दोनों की ही भलाई के लिए फैसला लिया गया था। अगर वह (सामंथा) खुश है, तो मैं खुश हूं। उस परिस्थिति में हम दोनों मिलकर यह सबसे अच्छा फैसला लिया था

मेंटल हेल्थ पर मदद मांगने में हिचकिचाना नहीं चाहिए

कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में सामंथा ने अपने डिवोर्स के बाद की मेंटल हेल्थ पर बात की थी। इसमें उन्होंने कहा, जब आप मानसिक रूप से परेशान हो तो मदद मांगने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। मेरे केस में मैं काउंसलर और दोस्तों की मदद से अपनी मेंटल हेल्थ की समस्या से बाहर आने में सफल हुई हूं। साइकैट्रिस्ट से हेल्प लेने पर जोर देते हुए ऐक्ट्रेस ने कहा, जिस तरह हम किसी प्रकार की चोट या तकलीफ के लिए डॉक्टर के पास जाते हैं, उसी तरह अगर हमें दिल और दिमाग में चोट या तकलीफ होती है तो इस केस में भी हमें डॉक्टर्स की सलाह लेनी चाहिए। सामंथा ने आगे कहा, अगर मैं अपनी लाइफ के दूसरे पार्ट में आकर सफल हुई हूं तो सिर्फ इसलिए नहीं क्योंकि मैं स्ट्रांग थी।

चौथी वेडिंग एनिवर्सरी से पहले टूटी शादी

सामंथा अक्किनैनी और नागा चैतन्य ने 6 अक्टूबर 2017 को गोवा में पहले हिंदू रीति-रिवाज और फिर 7 अक्टूबर को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की थी। शादी के बाद से ही सामंथा ने अपने नाम के आगे अक्किनैनी लगा लिया था, हालांकि अलग होने की खबरों के बीच ही सामंथा ने अपने ट्विटर हैंडल से अक्किनैनी हटाकर इसे सामंथा रूथ प्रभु कर लिया था। 6 अक्टूबर को दोनों की शादी के चार साल पूरे होने वाले थे लेकिन इससे पहले ही ये अलग हो गए।

सांमथा का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा को हाल ही में अभिनेता अल्लू अर्जुन की पुष्पा द राइज के एक डांस नंबर में नजर आईं थीं। इसके बाद वह फिलिप जॉन के डायरेक्शन की फिल्म द अरेंजमेंट ऑफ लव से इंटरनेशनल फिल्म में अपना डेब्यू करने जा रहीं हैं।

नागा चैतन्य का वर्कफ्रंट

नागा चैतन्य फिल्म बंगाराजू में अपने पिता-अभिनेता नागार्जुन अक्किनैनी, राम्या कृष्णन और कृति शेट्टी के साथ दिखाई देंगे। फिल्म का डायरेक्शन कल्याण कृष्ण कुरासला ने किया है। वह लाल सिंह चड्ढा में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान, करीना कपूर और मोना सिंह भी हैं।

सुकेश चंद्रशेखर के साथ रिश्तों ने छीन लिया सुख-चैन आध्यात्मिक किताबों में खोज रहीं हैं जैकलीन फर्नांडीज

सुकून की तलाश में जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज हर गलत वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। पहले तो ठग सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आया। श्वष्ठ ने पूछताछ की। बीते दिनों सुकेश से मिले तोहफों के बारे में भी खुलासा हुआ। हाल ही में सामने आई सुकेश के साथ लव बाइट वाली एक तस्वीर ने तो जैकलीन को परेशान कर दिया जिसके बाद उन्होंने एक अपील भी की। अब खबर सामने आई है कि जैकलीन किताबें पढ़कर खुद को हील कर रही हैं।

जैकलीन को इनका ही सहारा है

रिपोर्ट्स के मुताबिक जैकलीन अपने ऊपर आए इस निजी संकट से निपटने के लिए आध्यात्म की मदद ले रही हैं। वे इन दिनों सेल्फ हेल्प और आध्यात्मिक किताबें पढ़ रही हैं। साथ ही साथ काफी जर्नलिंग भी कर रही हैं। फिटनेस फ्रीक जैकलीन काफी ज्यादा मेडिटेशन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज भी कर रही हैं। इतना ही नहीं उन्हें लुईस एल हे की किताबें पढ़ते हुए देखा गया, जो क्षमा और हीलिंग के बारे में हैं।

ये थी जैकलीन की अपील

जैकलीन ने अपने बयान में कहा था, ÷इस देश और इसके लोगों ने हमेशा मुझे जबरदस्त प्यार और सम्मान दिया है। इसमें मीडिया के मेरे दोस्त भी शामिल हैं, जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं इस समय एक कठिन दौर से गुजर रही हूं लेकिन मैं हूं मुझे यकीन है कि मेरे दोस्त और प्रशंसक मुझे इसके माध्यम से देखेंगे। इसी भरोसे के साथ मैं अपने दोस्तों से अनुरोध करूंगी कि वे ऐसी कोई भी फोटो स्प्रैड न करें जो मेरी प्राइवेसी को प्रभावित करे। आप अपने प्रियजनों के साथ ऐसा नहीं करते होंगे, मुझे यकीन है कि आप मेरे साथ भी ऐसा नहीं करेंगे। उम्मीद है कि न्याय और अच्छी समझ बनी रहेगी।

पिछले दिनों मां की बिगड़ गई थी तबीयत

दिसंबर के आखिरी हफ्ते में जैकलीन की मां किम फर्नांडीज को बहरीन में दिल का दौरा पड़ा। जैकलीन के माता-पिता पिछले कुछ साल से बहरीन में ही रह रहे हैं। किम को स्ट्रोक के तुरंत बाद अस्पताल ले जाया गया था। वे फिलहाल हॉस्पिटल में ही एडमिट हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन इन दिनों अक्षय कुमार और नुसरत भरुचा स्टारर राम सेतु की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा, वह अक्षय और कृति सैनन के साथ बच्चन पांडे, रणवीर सिंह की सर्कस में भी दिखाई देंगी, जिसे रोहित शेट्टी डायरेक्ट करेंगे। इतना ही नहीं जैकलीन अटैक में जॉन अब्राहम के साथ भी नजर आएंगी।

सिद्धार्थ की माफी कुबूल नहीं: सिद्धार्थ पर अश्लील कमेंट के बाद हैदराबाद में शिकायत

हैदराबाद पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने अभिनेता सिद्धार्थ के खिलाफ भारतीय शटलर साइना नेहवाल के खिलाफ विवादित ट्वीट को लेकर मामला दर्ज कर लिया है। सिद्धार्थ की ऑनलाइन टिप्पणी को लेकर एक महिला ने दर्ज की गई शिकायत के आधार पर एक्टर के खिलाफ ढ्ढक्कष्ट की धारा 509 (महिलाओं की मर्यादा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कार्य) और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिद्धार्थ को भेजा जाएगा नोटिस

हैदराबाद साइबर क्राइम विंग डिटेक्टिव डिपार्टमेंट के एडीशनल ष्ठष्टक्क केवीएम प्रसाद ने बताया कि प्रेरणा थिरुवैपति नाम की एक महिला ने विभाग से इस मामले को लेकर संपर्क किया। शिकायतकर्ता में नीलम भार्गव राम का नाम भी शामिल है। केवीएम प्रसाद ने बताया कि इस मामले की जांच की जाएगी और एक्टर सिद्धार्थ को नोटिस भेजा जाएगा।

येज्दी की बाइक लॉन्च हुई

इसमें रोडस्टर, स्क्रैम्बलर और एडवेंचर नाम की तीन बाइक, कीमत 1.98 लाख रुपए से शुरू

नई दिल्ली। येज्दी ने आज रोडस्टर, स्क्रैम्बलर और एडवेंचर नाम के तीन नए मॉडलों को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने रोडस्टर बाइक की कीमत 1.98 लाख रुपए से 2.06 लाख रुपए के बीच, स्क्रैम्बलर की कीमत 2.05 लाख रुपए से 2.11 लाख रुपए के बीच और एडवेंचर की कीमत 2.10 लाख से 2.19 लाख रुपए के बीच तय की है। ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम दिल्ली हैं। येज्दी के इन तीनों मॉडल्स में 334ष्ष इंजन मिलता है, जो सिंगल-सिलेंडर, ष्ठह्र॥ष्ट, लिक्विड-कूल्ड इंजन पर बेस्ड हैं। सभी बाइक में एक यूनीक चेसिस मिलता है, जिसमें अलग तरह के सस्पेंशन और व्हील साइज मिलते हैं।

सस्पेंशन, ब्रेक और फ्रेम

येज्दी ने एडवेंचर बाइक के वजन, मजबूती और कीमत के बीच सही तालमेल बनाने के लिए इसे डबल-क्रैडल फ्रेम पर तैयार किया है। बाइक में आगे 200 एमएम ट्रेवल के साथ टेलीस्कोपिक फोर्क और पीछे 180 मिमी के ट्रेवल के साथ मोनोशॉक सस्पैंशन यूनिट का इस्तेमाल किया गया है। यह मोटरसाइकिल 220 मिमी का ग्राउंड क्लीयरैंस देती है जबकि इसकी सीट हाइट 815 मिमी की है। बाइक की ये सभी स्पेसिफिकेशंस रॉयल एनफील्ड हिमालयन की तरह हैं। इसके साथ ही इसमें त्रश्च की तरह 21-इंच/17-इंच वायर-स्पोक व्हील सेट-अप मिलता है।

एडवेंचर फ्रंट व्यू

इसमें डुअल-चैनल् ख्रक्च तीन मोड आते हैं। इसमें रोड, रेन और ऑफ-रोड शामिल हैं। एडवेंचर ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन के फीचर वाला एकमात्र बाइक है। इसमें यूनीक स्रुष्ठ डिस्प्ले मिलता है।

शेयर बाजारः सेंसेक्स 25 पॉइंट्स गिर कर 61125 पर, विप्रो में 6% की गिरावट, टाटा स्टील 5% बढ़ा

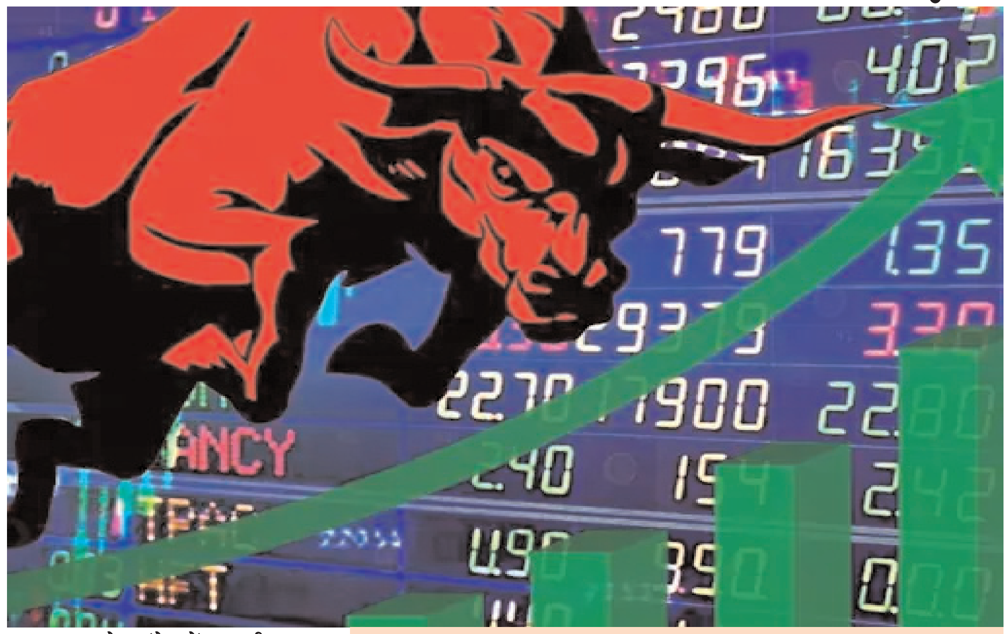

मुंबई। इस हफ्ते चौथे दिन बाजार में गिरावट है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्चस्श्व) का सेंसेक्स 25 पॉइंट्स गिर कर 61,125 पर कारोबार कर रहा है। विप्रो के शेयर में आज 6त्न की गिरावट है। टाटा स्टील 5त्न ऊपर है।

विप्रो के रिजल्ट के बाद शेयर में गिरावट

विप्रो ने कल ही रिजल्ट जारी किया था। तीसरी तिमाही में उसका फायदा एक साल पहले की तुलना में करीबन बराबर रहा है। इस वजह से उसके शेयर पर असर दिख रहा है। सेंसेक्स आज 109 पॉइंट्स बढ़त के साथ 61,259 पर खुला था। पहले घंटे में इसने 61,340 का ऊपरी और 61,122 का निचला स्तर बनाया।

सेंसेक्स के 16 स्टॉक गिरावट में

सेंसेक्स के 30 शेयर्स में से 16 शेयर्स गिरावट में हैं और 14 बढ़त में हैं। गिरने वाले प्रमुख शेयर्स में ॥ष्ठस्नष्ट बैंक, ॥ष्टरुटेक, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, टाइटन और महिंद्रा एंड महिंद्रा हैं। बढ़ने वाले प्रमुख स्टॉक में पावरग्रिड, टाटा स्टील, इंफोसिस, सन फार्मा, ञ्जष्टस् और मारुति के साथ ह्रञ्जक्ष्ट हैं। सेंसेक्स के 238 स्टॉक अपर सर्किट में और 247 लोअर सर्किट में हैं। इसका मतलब यह हुआ कि एक दिन में इनके भाव में इससे ज्यादा की बढ़त या गिरावट नहीं हो सकती है। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 277.48 लाख करोड़ रुपए है।

निफ्टी में 8 पॉइंट्स की गिरावट

उधर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 8 अंकों की गिरावट के साथ 18,204 पर कारोबार कर रहा है। इसका पहले घंटे में ऊपरी स्तर 18,260 का रहा जबकि निचला स्तर 18,201 का रहा। इसके 50 स्टॉक में से 32 बढ़त में और 18 गिरावट में कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी 18,257 पर आज खुला था।

बैंक और फाइनेंशियल इंडेक्स नीचे

निफ्टी के बैंक और फाइनेंशियल इंडेक्स में गिरावट है जबकि मिडकैप और नेक्स्ट 50 इंडेक्स में बढ़त है। इसके गिरने वाले शेयर्स में विप्रो, ॥ष्ठस्नष्ट बैंक, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स और अन्य हैं। बढ़ने वाले स्टॉक में पावरग्रिड, टाटा स्टील, इंफोसिस, कोल इंडिया और क्क्रहैं। इससे पहले कल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्चस्श्व) का सेंसेक्स 533 (0.88त्न) पॉइंट्स बढ़कर 61,150 पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 156 अंक (0.87त्न) बढ़कर 18,212 पर बंद हुआ।

फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेशः HDFC और कोटक महिंद्रा बैंक ने FD की ब्याज दरों में किया बदलाव

नई दिल्ली। HDFC बैंक ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट और रिकरिंग डिपॉजिट (RD) की ब्याज दरों में बदलाव किया है। दरों में बदलाव 2 करोड़ रुपए से कम की रकम पर किया गया है। नई दरें कल मतलब 12 जनवरी से लागू हो चुकी हैं। अब स्नष्ठ पर 2.50 से लेकर 5.60त्न तक का ब्याज मिलेगा। वहीं सीनियर सिटीजंस को 0.50त्न ज्यादा मिलेगा।

कोटक महिंद्रा बैंक FD की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की

इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (स्नष्ठ) की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। नए बदलाव के बाद बैंक 7 दिन से 30 दिनों, 31 दिन से 90 दिनों और 91 दिन से 120 दिनों में मैच्योर होने वाली स्नष्ठ के लिए क्रमशः 2.5त्न, 2.75त्न और 3त्न सालाना ब्याज दे रहा है।

कीबोर्ड के साथ ब्लैकबेरी 5G फोन होगा लॉन्च

कंपनी ने ब्लॉग पोस्ट में बताया- ब्लैकबेरी का अंत अभी नहीं, इस साल लॉन्च करेगी नया फोन

नई दिल्ली। मोबाइल बनाने वाली कंपनी ब्लैकबेरी के फैन्स के लिए खुशखबरी है। कंपनी के ऑफिशियल बयान के मुताबिक वह जल्द ही 5त्न सपोर्ट के साथ नए ब्लैकबेरी फोन लाने वाली है। इसके पहले कहा जा रहा था कि ब्लैकबेरी 5त्न स्मार्टफोन साल 2021 में लॉन्च किए जाएंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। नए साल की शुरुआत के साथ ही कंपनी ने ब्लैकबेरी 10 ह्रस्र या इससे पिछले वर्जन पर काम करने वाले अपने सभी क्लासिक स्मार्टफोन का सपोर्ट बंद कर दिया था। जिसके बाद ब्लैकबेरी स्मार्टफोन कंपनी के बंद होने की खबरे आ रहीं थी।

कीबोर्ड के साथ होगा लॉन्च

ब्लैकबेरी ने ऑनवर्ड मोबिलिटी अपने लेटेस्ट ब्लॉग पोस्ट में जरिए फैन्स को जानकारी दी है कि ब्लैकबेरी का अंत अभी नहीं आया है। इसके अलावा, कंपनी ने बताया है कि ब्लैकबेरी फोन 5त्न कनेक्टिविटी के साथ साल 2022 में लॉन्च किया जाएगा। हालांकि, यह फोन कीबोर्ड के साथ ही लॉन्च होगा।

2021 में लॉन्च होने की थी खबर

ब्लैकबेरी 5त्न फोन को साल 2021 में लॉन्च नहीं होने पर कंपनी ने बताया है कि साल 2021 कंपनी के लिए काफी चैलेंजिंग साबित हुआ, जिस वजह से कंपनी नया फोन नहीं ला पाई। लेकिन जिन लोगों को लग रहा था कि यह ब्लैकबेरी का अंत है, उन सभी कयासों पर कंपनी ने अपने नए ब्लॉग-पोस्ट के जरिए पूर्ण-विराम लगा दिया है। कंपनी ने जानकारी दी है कि नया 5त्न-रेडी ब्लैकबेरी फोन भले ही देरी से... लेकिन लॉन्च जरूर किया जाएगा। यह फोन कीबोर्ड के साथ पेश किया जाएगा।

सरकारी कंपनी नहीं बनेगीः वोडाफोन आइडिया की मालिक सरकार होगी, लेकिन न तो बोर्ड में और न ही ऑपरेशन में

मुंबइ। देश की तीसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया में सरकार भले ही सबसे ज्यादा हिस्सा की मालिक होगी, लेकिन वह न तो इसके बोर्ड में होगी और न ही ऑपरेशन में शामिल होगी। आज इसका शेयर 10त्न ऊपर है, जबकि कल 20त्न से ज्यादा गिरावट में था।

■ पहले की ही तरह चलेगी कंपनी

वोडाफोन आइडिया का ऑपरेशन और सब कुछ कंपनी पहले की ही तरह चलाएगी। सरकार केवल इसकी 35.80त्न की मालिक होगी। सरकार का कोई भी अधिकारी इसके बोर्ड में नहीं आएगा। यही नहीं, ज्यादा हिस्सेदारी होने के बाद भी इसे सरकारी कंपनी नहीं बनाया जाएगा।

■ सरकार बाद में कंपनी से निकल जाएगी

सूत्रों के मुताबिक, जब वोडाफोन आइडिया स्थिर हो जाएगी, यानी इसका कर्ज और सब कुछ सही रास्ते पर आ जाएगा, तब सरकार इसमें से निकलने की योजना बनाई है। सरकारी राहत पैकेज के तहत कंपनी ने सरकार को कर्ज के बजाय इक्विटी देने का फैसला किया है।

■ वित्त मंत्रालय के साथ होगी चर्चा

डिपॉर्टमेंट ऑफ टेलीकॉम यानी डॉट इस बारे में वित्त मंत्रालय से जल्द ही चर्चा करेगा, ताकि कर्ज को इक्विटी में बदलने की प्रक्रिया पूरी हो सके। इसके पीछे की रणनीति सरकार की यही है कि निवेशकों का विश्वास कंपनी में बना रहे। इसी तरह का मामला टाटा टेलीसर्विसेस के साथ भी कल हुआ। इसने भी अपने कर्ज को इक्विटी में बदलने का फैसला किया है।

कोरोना का असरःकर्मचारियों की कमी जल्द ही बन सकती है चुनौती

मुंबई। कोरोना की तीसरी लहर के बीच देश में काम करने वालों की कमी की चुनौती सामने आ सकती है। 21 सेक्टर्स में किए गए सर्वे में इस तरह की जानकारी सामने आई है।

जॉब मार्केट के विशेषज्ञों कहना है कि ब्लू-कॉलर वर्कफोर्स की कमी जल्द ही विभिन्न क्षेत्रों के लिए एक चुनौती बन सकती है। पहले से ही कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि और राज्यों में लगाए गए प्रतिबंधों के बीच इंडस्ट्री को कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। स्टाफिंग रिसोर्स फर्म टीमलीज सर्विसेज के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 21 सेक्टर्स में 850 कंपनियों में से लगभग आधी ने कहा कि उनकी अगले तीन महीनों में ब्लू-कॉलर मैनपावर को हायर करने की योजना है। हालांकि, कई सेक्टर्स जिसमें विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल सेक्टर को लेबर की कमी के दौर से गुजरना पड़ रहा है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)